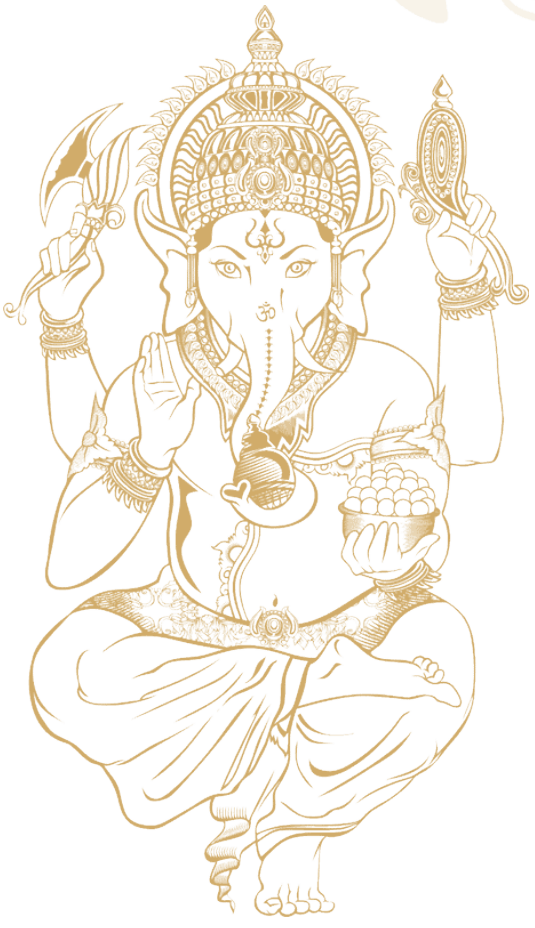

# Sambhav

# Geetika jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119914106

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 19/09/1999 : | जन्म तिथि | : 12/06/2001 |
| रविवार : | दिन | : मंगलवार |
| घंटे 13:03:00 : | जन्म समय | : 18:00:00 घंटे |
| घटी 17:05:44 : | जन्म समय(घटी) | : 31:33:08 घटी |
| India : | देश | : India |
| Ludhiana : | स्थान | : Tohana |
| 30:56:00 उत्तर : | अक्षांश | : 29:41:00 उत्तर |
| 75:52:00 पूर्व : | रेखांश | : 75:58:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:32 : | स्थानिक संस्कार | : -00:26:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 06:12:42 : | सूर्योदय | : 05:25:22 |
| 18:27:49 : | सूर्यास्त | : 19:26:38 |
| 23:50:58 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:52:21 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 12वर्ष 6मा 24दि | 28:46:53 | वृश्चि | लग्न | वृश्चि | 09:55:15 | राहु 13वर्ष 7मा 25दि |
| चन्द्र | 02:04:47 | कन्या | सूर्य | वृष | 27:43:31 | गुरु |
| 14/04/2018 | 18:17:18 | धनु | चंद्र | कुंभ | 09:53:12 | 06/02/2015 |
| 13/04/2028 | 16:49:55 | वृश्चि | मंगल व | वृश्चि | 29:16:58 | 06/02/2031 |
| चन्द्र 12/02/2019 | 10:58:07 | कन्या | बुध व | मिथु | 03:47:17 | गुरु 26/03/2017 |
| मंगल 13/09/2019 | 10:05:42 | मेष व | गुरु | वृष | 29:10:44 | शनि 08/10/2019 |
| राहु 14/03/2021 | 26:12:41 | कर्क | शुक्र | मेष | 12:00:36 | बुध 12/01/2022 |
| गुरु 14/07/2022 | 22:58:15 | मेष व | शनि | वृष | 12:48:09 | केतु 19/12/2022 |
| शनि 13/02/2024 | 18:14:32 | कर्क | राहु | मिथु | 12:33:21 | शुक्र 19/08/2025 |
| बुध 14/07/2025 | 18:14:32 | मक | केतु | धनु | 12:33:21 | सूर्य 08/06/2026 |
| केतु 12/02/2026 | 19:28:22 | मक व | हर्ष व | कुंभ | 00:53:18 | चन्द्र 08/10/2027 |
| शुक्र 14/10/2027 | 07:54:13 | मक व | नेप व | मक | 14:37:50 | मंगल 12/09/2028 |
| सूर्य 13/04/2028 | 14:09:24 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 19:50:02 | राहु 06/02/2031 |

## लग्न-चलित

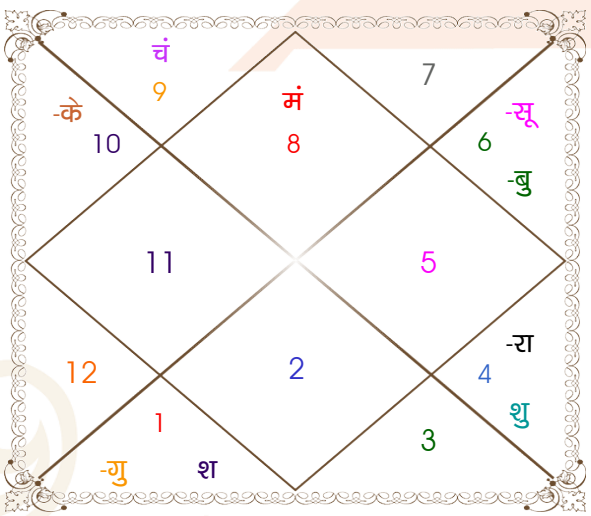


## लग्न-चलित

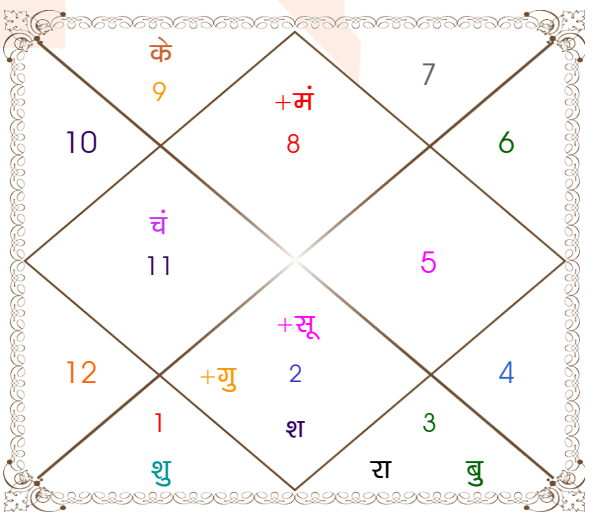


**HARE KRISHNA ASTRO**
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | अश्व | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Sambhav का वर्ग सर्प है तथा ळममजपां रंपद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sambhav और ळममजपां रंपद का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Sambhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sambhav कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळममजपां रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळममजपां रंपद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sambhav कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sambhav तथा ळममजपां रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।